

an>

Title: Issue regarding defamatory or derogatory statements made by a Member of Parliament against two Members of the House.

PROF. SAUGATA ROY: Please see under Rule 376(2). It says that between two businesses, you can raise a point of order. You kindly see Rule 376(2). I can raise a point of order as per that rule.

I will be very brief. In the morning, after Shri Mallikarjun Kharge made his submission, the Leader of Trinomool Congress, Shri Sudip Bandyopadhyay also made a submission. We are all pained and anguished by the sort of words that were used in the Lok Sabha yesterday. I wondered that to what level we are bringing down this Parliament. When a Member of this Ruling Party...*(Interruptions)*

माननीय अध्यक्ष : आप उस पर कमेंट कर सकते हैं, लेकिन भाषण नहीं करने दूंगी।

â€¦(ब्यवधान)

HON. SPEAKER: I agree with whatever Shri Sudip Bandyopadhyay has said. आप क्या कहना चाहते हैं, वह बोलिए और ये बात छोड़ दीजिए। It is because every Member is making some sort of remark.

â€¦(ब्यवधान)

PROF. SAUGATA ROY: There are rules followed in this House like Rule 352(2), Rule 353, Rule 355 and Rule 356. Rules 355 and 356 refer to what the Speaker can do from the Chair when a Member is making an allegation. The Speaker may even ask him to cut short his speech. You used your power under Rule 380 to expunge parts of the speech made by Shri Virendra Singh of Bhadohi which contained defamatory or derogatory statements against two Members of this House.

Now, all I say is, you were very kind and very wise to take that decision. But one part of your statement remains unfulfilled. You said: वीरन्द्र सिंह जी, यह अच्छा नहीं है। ऐसा नहीं करना चाहिए। We appreciate it and it was heart lifting that you are doing something to raise the morale of the House but the last part of your statement was not followed though.

HON. SPEAKER: What is that?

PROF. SAUGATA ROY: You said that there is no harm in apologizing. Earlier, in this House, Shri Sakshiji Maharaj had apologized. This spectacle that some Members are shouting slogans and Ministers are going on with the business of the House pains me. And it touches my head.

All I plead before you is, Madam, please ask the hon. Member, Shri Virendra Singh to apologise. He is a big tall man who used to be a *pahalwan*. ...*(Interruptions)*

HON. SPEAKER: Now you do not say anything like this. It is God's gift.

PROF. SAUGATA ROY: All right. He is a Member representing Bhadohi....*(Interruptions)*

HON. SPEAKER: Again you are doing the same thing.

...*(Interruptions)*

PROF. SAUGATA ROY: Madam, let me conclude. Let him ask for unqualified apology. The only thing which is preventing him is the Minister for Parliamentary Affairs standing up â€¦ *and defending him. ...*(Interruptions)*

HON. SPEAKER: You are doing the same thing again. I am sorry.

...*(Interruptions)*

HON. SPEAKER: Again you are making some remarks.

...*(Interruptions)*

माननीय अध्यक्ष : आप भी ऐसा करने से बच नहीं रहे हैं।

â€¦(ब्यवधान)

PROF. SAUGATA ROY : Why should the Minister for Palriamentary Affairs stand up and defend him? You were giving your ruling. ...*(Interruptions)*

HON. SPEAKER: Why are you making some remark? I am sorry.

...*(Interruptions)*

HON. SPEAKER: Again you are doing the same thing.

...*(Interruptions)*

माननीय अध्यक्ष : संसदीय कार्य मंत्री के लिए जो रिमावर्स दिए हैं, वे रिकार्ड में नहीं जाएंगे।

...*(Interruptions)*â€¦ *

प्रो. सांगत राय : महोदया, मैंने क्या कहा है? आप हमें समझाइए कि हमने क्या गलत कहा है, ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सवाल गलत बोलने का नहीं है, लेकिन ऐसा क्यों बोलना है।

â€ (व्यवधान)

PROF. SAUGATA ROY: All I want to say is, let the Minister for Parliamentary Affairs not encourage such Members. Let him not encourage such a thing.

माननीय अध्यक्ष : आप मेरी मुश्किल बढ़ा रहे हैं। You are not helping me.

â€ (व्यवधान)

PROF. SAUGATA ROY: Let him apologise on your instructions and let peace, tranquility and good sense return to the House. ... (Interruptions)

महोदया, आप उन्हें अपोलोजाइज करने के लिए कहिए, ... (व्यवधान)

HON. SPEAKER: Prof. Saugata Roy, please take your seat.

...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : सांगत राय जी, मैंने आपका माइक बंद करवा दिया है, अब आप बैठ जाएं। आप सभी लोग मुझसे बड़े बन रहे हैं, इसलिए मैंने माइक बंद करवा दिया है। आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

â€ (व्यवधान)

HON. SPEAKER: This is not fair every now and then. Prof. Saugata Roy, I have expunged the words that you have used. I have also said that whatever the Member, Shri Virendra Singh, spoke was not proper. अब एपोलॉजी के लिए मैं किसी का हाथ पकड़कर तो नहीं कहूँगी। I have said that he should apologise. That is all. No, I am sorry. इतना तो नहीं हो सकता है।

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: Please sit down. Please take your seats now. दूसरी बात यह है कि आप कल यहाँ पर कागज फेंककर गये। यदि आप कल हाऊस में थे, यहाँ पर कागज फेंके गये। उस पर भी मैं कुछ नहीं बोल रही हूँ। इसलिए प्लीज बैठिए। ऐसा नहीं होता है। This is not the way. मेम्बर द्वारा स्पीकर की तरफ कल कागज फेंके गये। मैं किस-किस को सांशी बोलने के लिए कहूँ। आप ही डिमांड कीजिए कि मैं किस-किस को कहूँ कि आप सांशी कहिए। क्या यह भी कोई अच्छी बात है कि स्पीकर की तरफ कागज फेंका जाए? मैंने कहा, यह ठीक नहीं है। मैं आप से कुछ सुझाव लेना नहीं चाहती हूँ, आप बैठिए। आप जो शब्द यूज कर रहे थे। इसलिए आप बैठिए।

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: Shri Kharge, what is it?

श्री महिलकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : आप मुझे बोलने के लिए एक मिनट दीजिए, ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं एक मिनट दूँगी, लेकिन आप पूरे हिन्दुस्तान को आगोश में मत लीजिएगा।

â€ (व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : पूरे हिन्दुस्तान को यह भी मालूम होने दें कि इस सदन में कैसे-कैसे लोग हैं, कैसी-कैसी बातें करते हैं। ... (व्यवधान) मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि सरकार उनका पूरा सपोर्ट कर रही है और मेम्बर का इंसल्ट करने पर वे तुलने हुए हैं। वे जो अमद् भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, उसका सपोर्ट पार्टियामेंट्री मिनिस्टर भी कर रहे हैं और पार्टियामेंट्री स्टेट मिनिस्टर भी कर रहे हैं, ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वे नहीं कर रहे हैं। No, he is not supporting.

â€ (व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : यदि आज आप उनको सर्पेंड नहीं करेंगे या वे अनकंडिशनल एपोलॉजी नहीं मांगते हैं, तो इस सदन का गौरव जाएगा और मेम्बर्स का भी गौरव जाएगा। जो प्रिविलेज कांस्टीट्यूशन और रूल्स के मुताबिक दिये गये हैं, उसे सरकार आज पूरा खत्म कर रही है। ... (व्यवधान) इसलिए हम चाहते हैं कि आप उनको सर्पेंड कीजिए। ... (व्यवधान) आपको अथारिटी है। You are powerful. आपने अभी कहा, इस सदन में मेरे से बड़ा कोई नहीं। ... (व्यवधान) इसलिए आप बड़े हैं, उनको सर्पेंड कीजिए और उनको बताइए। आप उनको कह सकती हैं। ... (व्यवधान) अगर सरकार ऐसे लोगों को सपोर्ट करना चाहती है, तो हम सहन करने वाले नहीं हैं। ... (व्यवधान) हम यह चाहते हैं, यदि ऐसा ही माहौल चलता रहा, ... (व्यवधान) तीन चीजें इस सदन में हो रही हैं। एक तो असहिष्णुता का माहौल बढ़ाया जा रहा है। दूसरा, राजनीतिक बदला लेने की भावना बढ़ रही है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वह बात नहीं है।

â€ (व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : तीसरा, कुछ नहीं मिला, तो संसद के सदन में जो सदस्य हैं, उनके खिलाफ कुछ बोला जाए, उनका इंसल्ट किया जाए, उनका अपमान किया जाए। ... (व्यवधान) इसीलिए हम इसका प्रोटैस्ट करते हुए आज के दिन वाक-आउट करते हैं। ... (व्यवधान) और जब तक आप उनको एपोलॉजी के लिए ... (व्यवधान) और सर्पेंड करेंगी, तब हम उसको उठाएंगे और हम लोग आएंगे। ... (व्यवधान)

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी): स्पीकर मैडम, हमारे सभी माननीय सदस्य इस बात से सहमत हैं कि किसी के पास यह अधिकार नहीं है कि किसी पर व्यक्ति रूप से कोई टिप्पणी की जाए। ..(व्यवधान) आपने उन सभी चीजों को एक्सपोज कर दिया है। ..(व्यवधान) इन्होंने अपनी बात तो रख ली, लेकिन पूरे देश के सामने पिछले दो दिनों से ज्योतिरादित्य सिंधिया जी ने बहस प्रारंभ की और सूखे पर बहस प्रारंभ करके अचानक सदन के वेल में आकर पिछले दिनों से हंगामा कर रहे हैं और स्पीकर के टेबल तक भी चढ़े जा रहे हैं। ..(व्यवधान) क्या यह अपने आप में स्पीकर का अपमान नहीं है, क्या यह अपने आप में संविधान का अपमान नहीं है, क्या यह अपने आप में पूरे सदस्यों का अपमान नहीं है? ..(व्यवधान) हम पूरी तरह से सहमत हैं कि किसी के बारे में भी व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए। लेकिन एक मर्यादा होती है, ..(व्यवधान) सदन चलाने की एक परम्परा होती है। ..(व्यवधान) आप अपनी बात रखते हैं और सदन के वेल में आकर पूरा दिन शोर करते हैं। ..(व्यवधान) फिर उसके बाद बाकी सदस्यों पर आप आरोप लगाते हैं। ..(व्यवधान) उस परिस्थिति में अपनी ओर से की हुई हरकत के बारे में आप इस सदन के सामने या देश के सामने कोई माफी मांगने के लिए तैयार नहीं हैं। ..(व्यवधान) आखिर सदन के भीतर यह दोहरा मापदण्ड कब तक चलता रहेगा, यह सब सदस्यों को जानने का अधिकार है। ..(व्यवधान) अध्यक्ष महोदया, आपको भी देखना पड़ेगा कि यह दोहरा मापदण्ड नहीं चलेगा। ..(व्यवधान) आप अपनी बात रख दें, आप अपना हंगामा करते रहें, ... (व्यवधान) आप टेबल पर चढ़ जाएं ... (व्यवधान) आप बयान करते रहें और फिर आप वॉक आउट कर जाएं और आप प्रधानमंत्री पर, ... (व्यवधान) प्रधानमंत्री जी के सामने खड़े होकर ... (व्यवधान) आप सदन में प्रधानमंत्री के सामने पीठ दिखाते हुए खड़े होते हैं, सदन में इस बिन्दु पर खड़े होते हैं। ..(व्यवधान) प्रधानमंत्री के सामने नारे लगाते हैं, ... (व्यवधान) देश के प्रधानमंत्री को आप हितलर कहते हैं। ..(व्यवधान) और उसके बाद आप कहते हैं कि आपका अपमान हुआ। ..(व्यवधान) यह सब कब तक बर्दाश्त होगा? ... (व्यवधान) हम सब चाहते हैं कि सदन चले, लेकिन यह तरफा रवैया, एक बहाना सदन को न चलने देने का, ... (व्यवधान) सदन की कार्यवाही को बाधित करने का, सदन में जो बड़े काम देश के हित में किए जा रहे हैं, उन पर रोक लगाने की यह जो परम्परा कांग्रेस पार्टी ने स्थापित किया है, उसे हम सदन में कतई स्वीकार नहीं करेंगे। अध्यक्ष महोदया, हमें इसमें आपका संरक्षण चाहिए। ..(व्यवधान)

12.16 hours

(At this stage, Shri Mallikarjun Kharge and some other hon. Members left the House.)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): My observation of the House is this. The Parliamentary Affairs Minister should take a lead if any situation arises on the floor of the House, according to me. My feeling is that floor management, either the BJP Party-wise or the Parliamentary Affairs Minister's-wise is not sufficient. They are not rising to the occasion as it is expected of them. If Shri Mallikarjun Kharge wants to speak for two to three minutes, that is allowed. Shri Rajiv Pratap Rudy is not stopping. He delivers his speech for three or four minutes either inside the House or outside the House. He is delivering his speech like that. Our observation is what I told you just now. Exemplary punishment should be there. There are precedents. Prof. Saugata Roy mentioned that. I should express my regret if I say something wrong. What is harm in it if the House can run smoothly by that? You tried your best. That was also ignored. We also want to increase the prestige of this organization. We are also walking out of the House.

12.17 hours

(At this stage, Shri Sudip Bandyopadhyay and some other

hon. Members left the House.)

श्री तारिक अनवर (कटिहार): अध्यक्ष महोदया, आप इस सदन की अध्यक्ष हैं, सर्वोपरि हैं, सबसे ऊपर हैं, आपको सारे अधिकार प्राप्त हैं। इस सदन की मर्यादा की रक्षा आपको ही करनी है और जिस प्रकार से अभी संसदीय मंत्री जी ने जो बातें कही हैं, ठीक कहा अभी माननीय सदस्य ने, कि उनको यह चाहिए कि किस तरह से हाउस को चलाया जाए, इसकी जरूरत है। वह जिस तरह से डिफेंड कर रहे हैं, उसकी आवश्यकता नहीं है।

HON. SPEAKER: No, he is not defending him.

श्री तारिक अनवर: मैं चाहूंगा कि सदन की मर्यादा को बनाए रखते हुए जिन्होंने भी गलत काम किया है, उनकी निन्दा की जाए और उनसे माफी मंगवाई जाए, क्षमा मंगवाई जाए। ..(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी उपग्रामन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैक्कर्या नायडू): मैडम, तारिक अनवर साहब ने अच्छा सुझाव दिया, मैं इनसे सहमत हूँ। स्पीकर पीठासीन हैं। हाउस में सब ... (व्यवधान) सुरेश जी, वाक आउट करके टाक आउट नहीं करना है भई, ... (व्यवधान) यह हाउस ठीक तरह से चले, सरकार का दायित्व है, विपक्ष का दायित्व है, हम दोनों की मदद से स्पीकर सदन को ठीक तरह से चला पाएंगी। ..(व्यवधान) जैसा अभी तारिक अनवर भाई ने कहा, आप जो उचित समझें, सदन में इन दिनों में जो हो रहा है। ..(व्यवधान) मैं सबसे विनती करना चाहता हूँ कि क्या हम सभी असहाय हैं, निरसहाय हैं? हम लोग चाहते हैं कि बाढ़ पर चर्चा हो, सूखे पर चर्चा हो। कुछ लोग बोलते हैं, फिर बाद में हंगामा करते हैं, बाकी लोगों को बोलने नहीं देते हैं। ..(व्यवधान) कल जो लोग बोल रहे थे, ये लोग क्या नारा दे रहे थे, उसे भी ठीक तरह से सुनने का मौका नहीं मिला। ..(व्यवधान) इसलिए मेरी प्रार्थना है कि Rule cannot be to one person only. I too agree. Shri Kharge was saying - दो मापदण्ड; दो मापदण्ड नहीं होने चाहिए। हाउस को डिस्टर्ब करे, वेल में जाए और दूसरे की बाड़ी में प्रोटेस्ट करे, दोनों एक साथ नहीं हो सकता है। इसलिए मेरी प्रार्थना है, मैं ज्यादा बोलना नहीं चाहता हूँ, कारण यह है कि बहुत दिन से हम लोग भी इसको झेल रहे हैं, कृपया वेल में आकर प्रधानमंत्री के खिलाफ नारा देना और असभ्य शब्दों का प्रयोग करने से एवाइड करना चाहिए।

मैडम, कल आप सदन में नहीं थी, डिप्टी स्पीकर चेयर पर थे। कुछ सदस्य उनकी टेबल तक गए, आधा घंटा, एक घंटा, दो घंटे तक नारे लगाते रहे। We are all matured people. We are Parliamentarians. We can have debate; we can score points also. There is nothing wrong. You can read well, and then, score something more than what I am saying. That should be the spirit but not allowing Parliament to function. My appeal to the Congress Party, the TMC, and other friends is, please allow Parliament to function. The entire country is watching towards us. We have the GST Bill, the Real Estate Bill, and other Bills. If you want to oppose also, you have got every right to oppose. I always say, I propose, you oppose, and let the House dispose. That is the system in democracy. Through Hon. Speaker, I am making a fervent appeal to all Parties, please let us allow Parliament to function; there is a heavy agenda.

मैंने सुबह देखा, जब ये लोग नारे लगा रहे थे, तो आपको भी थोड़ी दिक्कत हुई और आपने हाउस कुछ समय के लिए स्थगित किया। मेरा यह कहना है कि हम सब लोग अपना-अपना दायित्व निभाएं, हाउस ठीक तरह से चले, अच्छी तरह से बहस हो। टोकन-टाकी होती रहती है लोकतंत्र में। विपक्ष का अधिकार है आलोचना करना, वह आलोचना करें, लेकिन जवाब भी सुने। मेरा कहना है कि आलोचना करें और जवाब भी सुने, इस पर यदि हम एकमत हो जाएं, तो हम आगे बढ़ सकते हैं। यदि हम आलोचना करेंगे और आपको सुनें नहीं, तो यह पद्धति लोकतंत्र में किसी के लिए स्वीकार्य नहीं है। सत्तारूढ़ पार्टी के पास इतना मेनडेट होने के बाद भी, मैं स्पीकर महोदया के बात और स्पष्ट करना चाहता हूँ कि मैंने कल की प्रोसीडिंग का रिकार्ड देखा था। आपने मुझे कल रात को बताया, मैंने रिकार्ड देखने के बाद खुद ज्योतिरादित्य सिंधिया जी को फोन किया और बातचीत की। मेरा यह भी कहना है कि आपतिजनक बातें हटाने के बाद, फिर भी आपको कोई और बात आपतिजनक लगती है, तो स्पीकर को अधिकार है उसे कार्यवाही से हटाने का।

अध्यक्ष महोदया, किसी सदस्य के बारे में कुछ कहना है तो जो सदन में सब तरफ से हुआ, उस सबके बारे में क्या करना चाहिए, यह आप तय करें। लेकिन एक तरह एक्शन लेना, ऐसी मांग करना कि हमारे साथ न्याय करें, स्पीकर के बारे में भी नारा देना, डिप्टी स्पीकर के सामने, दस बार डिप्टी स्पीकर-डिप्टी स्पीकर कल बोला गया है।

Hon. Deputy-Speaker's patience was also tested. Normally, we are all human beings. कुछ सदस्य कहते हैं कि संसदीय कार्य मंत्री को इससे क्या मतलब, तो मैं कहना चाहता हूँ कि संसदीय कार्य मंत्री का काम यह भी है कि सरकार की तरफ से कब क्या कहना है। सौगात राय जी ने पाकिस्तान का मामला उठाया। मैंने मैडम स्पीकर आपसे बात की और सुषमा जी से भी बात की। उन्होंने कहा कि मैं पाकिस्तान से वापस आकर स्टेटमेंट तैयार करूँगी और आज या कल वह आपको नोटिस देंगी, फिर वह सदन में वक्तव्य देंगी। स्टेटमेंट देने के बाद वह उस पर चर्चा के लिए भी तैयार हैं, जबकि सामान्यतः इस सदन में स्टेटमेंट के बाद चर्चा नहीं होती है, लेकिन वह तैयार हैं, ऐसा उन्होंने कहा है। इसलिए समझ लीजिए कि सरकार का भी दायित्व होता है, जो मेनडेट हमें लोगों ने दिया, जो एजेंडा हमने देश के सामने रखा और वहां से हम बहुमत लेकर आए, उस पर अमल करना हमारा कर्तव्य बनता है। We have that responsibility towards the people. Please cooperate in allowing the House to function in a proper manner. Anything said which is unparliamentary, any reference to any individual, even as a Minister of Parliamentary Affairs, I do not approve of it at all, if it is derogatory. मैंने जैसा अभी कहा, with regard to Shri Kodikunnil Suresh, I just now said, 'walk out, talk out'. पार्लियामेंटरी सिस्टम में तो इतना होता रहता है। If anything is objectionable, unparliamentary, or indecent for that matter, the Speaker is at liberty to remove it from the records of the House. Let the House function. You should not think that they are quarrelling on small issues, leaving the larger issues. That is my appeal to the Chair.

माननीय अध्यक्ष: मुझे लगता है कि इसे यहीं खत्म कर दें।

श्री मोहम्मद सलीम (रायगंज) : मैं एक बात कहना चाहता हूँ।

माननीय अध्यक्ष: सलीम साहब, अब रहने दें, काफी हो गया है। अब सबको बोलने की जरूरत नहीं है। मैं आप सबकी मनीषा समझ रही हूँ। आप सब सहयोग करना चाहते हैं। मुलायम सिंह जी, आप क्या कहना चाहते हैं? यह तो एक इश्यू हो जाएगा और उसके बाद आप सबको जो चाहिए, वह भी करना पड़ेगा।

श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) : माननीय अध्यक्ष महोदय, सुषमा स्वराज जी का महत्वपूर्ण बयान है, वह आज है या कल है, एक निश्चित दिन बता दें, क्योंकि हो सकता है कि हम कहीं बिज़ी हो जाएं। इसलिए हम यह जानना चाहते हैं और उन्हें सुनना चाहते हैं।

श्री एम. वैकैरिया नायडू : आज नोटिस देंगे, कल उस पर चर्चा करेंगे।

माननीय अध्यक्ष: मोहम्मद सलीम जी, इसी विषय पर हर कोई बोलेंगा, तो यह नहीं होना चाहिए।

श्री मोहम्मद सलीम: हम विपक्ष में होने के बावजूद भी यह चाहते हैं कि संसद में चर्चा हो।

माननीय अध्यक्ष: धन्यवाद।

श्री मोहम्मद सलीम: बहुत से मुद्दे हैं, सरकार की तरफ से कई बिल आने हैं, हमारी तरफ से भी कई विषय हैं, जैसे अभी इंडो-पाक मामले की बात आई, उस पर स्टेटमेंट के बाद चर्चा होगी। हम इसका स्वागत करते हैं, अच्छी बात है।

दूसरी बात यह है कि कल जब बात हो रही थी तो खुद सत्ता पक्ष के कई सदस्य थे, जो कान पर हाथ रखे हुए थे, उन्हें शर्मिंदगी हो रही थी कि हम बहस को उस जगह पर ले गए थे।

माननीय अध्यक्ष : अब मैं उस बात पर चर्चा नहीं कराना चाहूँगी। आप केवल इतना कहो कि इस प्रकार की बात नहीं होनी चाहिए।

श्री मोहम्मद सलीम: दो रोज से जो हंगामा हो रहा है, यह ठीक नहीं है।

माननीय अध्यक्ष: यह ठीक बात है।

श्री मोहम्मद सलीम: दो रोज से हंगामे के बीच में बिल पास हो रहा है। हम लोग कुछ सुन नहीं पा रहे हैं, हम मुद्दे उठा नहीं पा रहे हैं। हम यह सब नहीं चाहते हैं। हम चाहते हैं कि यह सदन चले। लेकिन सरकार को विपक्ष को भी विश्वास में लेना पड़ेगा। आप सिर्फ यह समझें कि कांग्रेस और भाजपा ने बात कर ली है और चर्चा हो जाएगी, ऐसा नहीं होता है। उनके अलावा भी विपक्ष है और सभी से बात करने की आवश्यकता है।

माननीय अध्यक्ष : वैकैरिया जी, मोहम्मद सलीम जी से और करुणाकरण जी से भी बात विन्या कीजिए।

श्री एम. वैकैरिया नायडू : मैडम, माननीय सदस्य ने यह सही कहा है कि केवल भाजपा और कांग्रेस में ही बात नहीं होनी चाहिए। उसमें सीपीएम, सीपीआई, बीजेडी, टीडीपी, वाईएसआर, टीएसआर, शिवसेना और हमारे मित्र दल भी रहे। एआईएडीएमके विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी है, वह भी रहे। हम सभी को साथ में लेकर आने बहना चाहते हैं। कल हंगामे के बीच में जयपूकाश जी ने बाढ़ पर अपनी बात रखी। तेज प्रताप जी ने भी बाढ़ पर अपनी बात रखी। मैं इन सब बातों को नोटिस करता हूँ और उन सभी का अभिन्दन करता हूँ। हम लोगों में सैद्धांतिक मतभेद होने के बाद भी, हमारी जनता क्या चाहती है, उस पर हम लोग लोग यहां चर्चा करते हैं। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि सूखे पर सही से चर्चा हो, हम लोग मिलकर आने बढ़ें और देश के सामने जो अजेंडा है, उस पर हम लोग चर्चा करें। कोर्ट के मामले पर कोर्ट में चर्चा करें और पार्लियामेंट के मामले पर पार्लियामेंट में चर्चा करें।

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): Madam Speaker, I am standing up just to participate in this deliberation. You were not there yesterday. The Deputy Speaker was in the Chair. It was not only that papers were thrown at him, but his desk was also thumped repeatedly. As was being said by the Parliamentary Affairs Minister, his patience was tested again and again and this was continued by some senior Members. If you see the visuals, – I think there are other cameras also than the one which carry our photos here in the House – you will notice that a very serious incident happened yesterday. I am not saying anything about what Shri Virendra Singh said yesterday. None of us also can subscribe to that view and I am

not passing any comment on that.

But my concern here is relating to another aspect also which happened yesterday and that is, before the Bill was taken up for consideration, I told personally that no Bill should be passed in the din. Yesterday when the NCP Member Shri Tariq Anwar was asking for a division, that could have brought the House to order. But as it is said, instantly certain decisions are to be taken, that was not done and the Bill was passed in the din. That also infuriated a large number of people who were here and also those who were in the Well. My point is, the discussion had taken place on the Bill, a number of Members had participated in that discussion and some did not participate, that is a different matter. Ultimately it is not only that passing the Bill in this House will serve the purpose. Of course, that was a different Bill. It went to the Standing Committee and there was invariably a consensus that had been built. But my only request to the Parliamentary Affairs Minister and also to the Government is that, please do not pass any Bill in the din.

Madam, I would like to make another suggestion. If sense would prevail in this House, drought situation is very alarming in this country. We need a constructive response from the Government, not only from the Agriculture Minister but also from the Finance Minister. That is necessary because the whole country, especially the Members from those areas that are affected by drought are waiting for the response of the Government.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Madam Speaker, I am not replying to the Member, but I respect his sentiments. I totally agree that no Bill should be passed in the din. But I want the guidance of the House. If somebody says, 'we will not allow the House to function and we will go to the Well of the House everyday', should the Parliament Session conclude without transacting any Government business and without passing any Bills? That is the dilemma before me.

I am very sincerely saying it from my heart. How many days have passed since the Parliament started? How many Bills were we able to pass? So, I request all the other parties also to see that the House functions normally. I can give assurance that no Bill will be rushed through, no Bill will be passed in din. If somebody is determined, then what can you do? You have seen how the Andhra Pradesh Reorganisation Bill was passed. Everybody knows how the Bill was passed....(*Interruptions*) BJP also was in favour of creation of Telangana State. We supported it also. But, there was no opportunity for others also and the division also was not accepted. So, my suggestion is this. Bhartruhari ji is saying in a well-meaning manner but, at the same time, he should give that advice to other people, particularly to the people who are coming to the well of the House and saying, "We do not allow the House to function". They should also rethink about their position so that we can have a meaningful discussion.

With regard to drought, I will see whether the Finance Minister is available here in the other House. I agree with you, drought is connected not only with the Agriculture Minister but also sometimes with the Finance Minister, sometimes the Home Minister, the Chairman of the Committee also. I will see, at least, either the Home Minister or his Deputy is also there to take the notes about the drought situation.